

में निर्धन तू सेठ साँवरा के फायदा इस यारी का

में निर्धन तू सेठ साँवरा के फायदा इस यारी का,
बता कद ताला खोलेंगा बाबा बंद किस्मत म्हारी का,

तेरे ते ना मांगूंगा तो और बता कित्त जाऊँ मैं,
चेतक का के करना ओडी रैड फरारी चाहूँ मैं,
में पैदल खुद मजा लेवे सै लीले की असवारी का,
बता कद ताला खोलेंगा

इतना दे दे साँवरिया हो घर में सारी मौज मेरे,
में भी जिद्ध का पक्का सूं ना मांगण आऊँ रोज तेरे,
सारी दुनिया में सै चर्चा तेरी लखदातारी का,
बता कद ताला खोलेंगा ..

मांग मांग के थक गया सूं इब शर्म घणी मनै आवे सै,
के मजबूरी मनै देन में इतनी देर लगावे सै,
भगत तेरा भी बाट देख रहया कदका अपनी बारी का,
बता कद ताला खोलेंगा

आज पड़या सै पाला सुनले मांनू मैं भी हार नहीं,
या फिर कह दे साँवरिया तनै " भीमसैन " ते प्यार नहीं,
में तेरा तू मेरा सै के लेना दुनियादारी का,
बता कद ताला खोलेंगा ..

लेखक : श्री भीमसैन जी भिवानी वाले
गायिका : प्रविन्दर पलक फतेहाबाद
!! जय श्री श्याम जी !!
भजन प्रेषक : प्रदीप सिंघल (जीन्द वाले)

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9704/title/main-nirdhan-tu-seth-sanwara-ke-fayda-is-yaari-ka>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |